इकाई - I

2. शेखीबाज़ मक्खी

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़के क्या कर रहे हैं?
3. लड़कों को देखने पर तुम्हें क्या लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

एक था जंगल। उस जंगल में एक शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में एक मक्खी उड़ती-उड़ती वहाँ आ पहुँची। शेर ने दो-तीन दिनों से स्नान नहीं किया था। इसलिए मक्खी शेर के कान के एकदम पास **भिन-भिन-भिन** करने लगी। शेर को बहुत मुश्किल से नींद आई थी। उसने पंजा उठाया। मक्खी उड़ गई ... लेकिन फिर से शेर के कान के पास **भिन-भिन** शुरू हो गई। अब शेर को गुस्सा आया।

वह दहाड़ा—अरे मक्खी, दूर हट। वरना तुझे अभी जान से मार डालूँगा।

मक्खी ने धीरे से कहा — छि... छि... ! जंगल के राजा के मुँह से ऐसी भाषा कहीं शोभा देती है?

शेर का गुस्सा बढ़ गया। उसने कहा — एक तो मुझे सोने नहीं देती, ऊपर से मेरे सामने जवाब देती है! चुप हो जा... वरना अभी...

मक्खी बोली — वरना क्या कर लोगे? मैं क्या तुमसे डर जाऊँगी? मैं तो तुमसे भी लड़ सकती हूँ। हिम्मत हो तो आ जाओ...!

शेर आग बबूला हो उठा। उसने कान के पास पंजा मारा। मक्खी तो

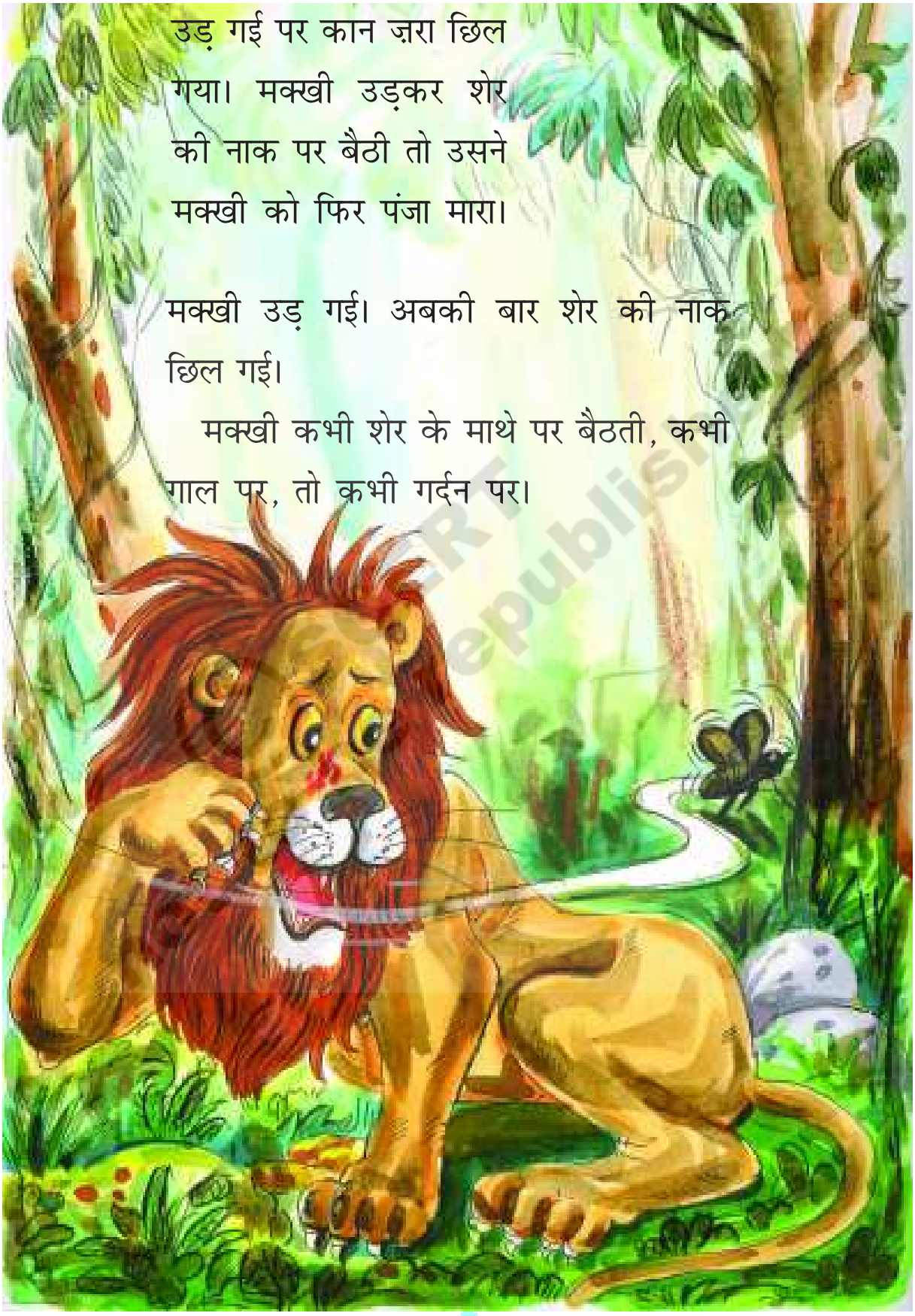

उड़ गई पर कान ज़रा छिल गया। मक्खी उड़कर शेर की नाक पर बैठी तो उसने मक्खी को फिर पंजा मारा।

मक्खी उड़ गई। अबकी बार शेर की नाक छिल गई।

मक्खी कभी शेर के माथे पर बैठती, कभी गाल पर, तो कभी गर्दन पर।

© NCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

शेर पंजा मारता जाता और खुद को घायल करता जाता... मक्खी तो फट से उड़ जाती।

अंत में शेर ऊब गया, थक गया। वह बोला – मक्खी बहन, अब मुझे छोड़ो। मैं हारा और तुम जीतीं, बस।

मक्खी घमंड में चूर होकर उड़ती-उड़ती आगे बढ़ी। सामने एक हाथी मिला। मक्खी ने कहा – अरे हाथी... मुझे प्रणाम कर... मैंने जंगल के राजा शेर को हराया है। इसलिए जंगल में अब मेरा राज चलेगा। हाथी ने सोचा, इस पागल मक्खी से बहस करने में समय कौन बर्बाद करे।

हाथी ने सूँड़ ऊपर उठाकर मक्खी को प्रणाम किया और आगे बढ़ गया। सामने से आ रही लोमड़ी ने यह सब देखा। लोमड़ी मंद-मंद मुस्कराने लगी। इतने में मक्खी ने लोमड़ी से कहा – अरे ओ लोमड़ी, चल मुझे प्रणाम कर! मैंने जंगल के राजा शेर और विशालकाय हाथी को भी हरा दिया है।

लोमड़ी ने उसे प्रणाम किया। फिर धीरे से बोली –

धन्य हो मक्खी रानी, धन्य हो! धन्य है आपका जीवन और धन्य हैं आपके माता-पिता। लेकिन मक्खी रानी, उधर वह मकड़ी दिखाई दे रही है न, वह आपको गाली दे रही थी। उसकी ज़रा खबर लो न!

यह सुनकर मक्खी गुस्से से लाल हो उठी।

मक्खी बोली – उस मकड़ी को तो मैं चुटकी बजाते खत्म कर देती हूँ।

यह कहते हुए मक्खी मकड़ी की तरफ झपटी और मकड़ी के जाले में फँस गई। मक्खी जाले से छूटने की ज्यों-ज्यों कोशिश करती गई

© SCERT not to be republished

त्यों-त्यों और भी अधिक फँसती गई... अंत में वह थक गई, हार गई। यह देखकर लोमड़ी मंद-मंद मुस्कराती हुई वहाँ से चलती बनी।

योगेश जोशी

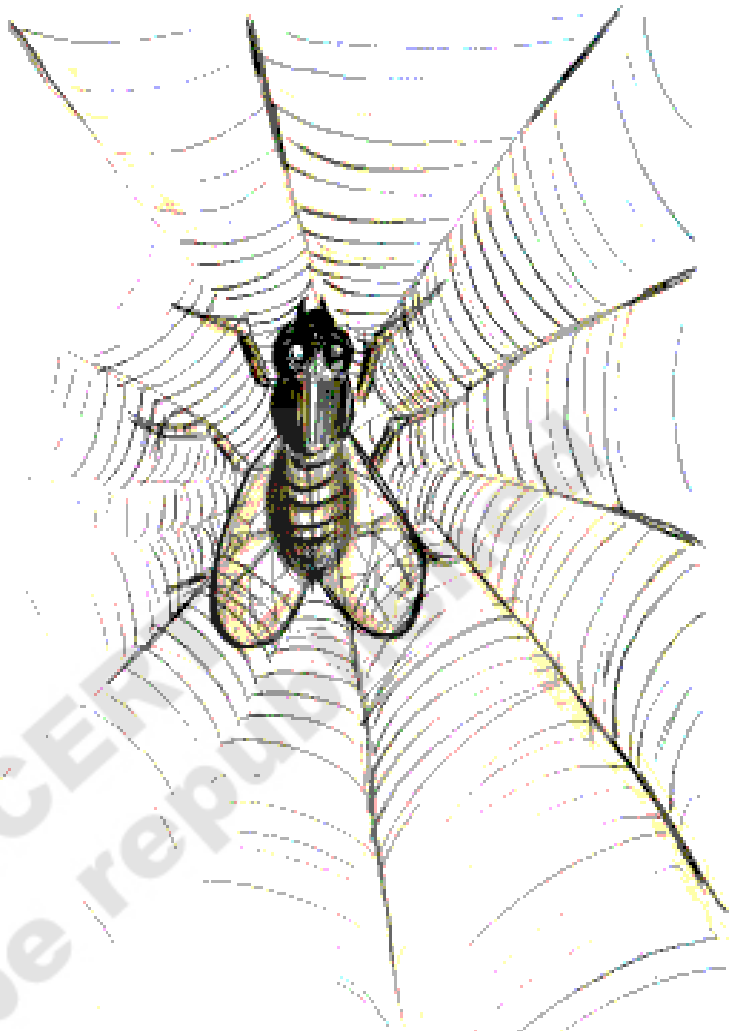

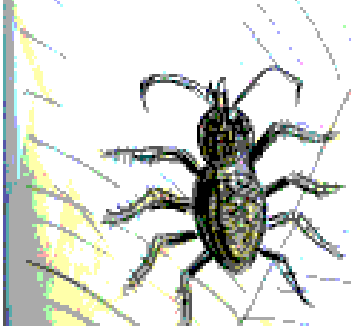

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

सुनिए–बोलिए

1. तुम्हें कहानी में कौन सब से अच्छा लगा और क्यों?
2. मक्खी मकड़ी के जाल में फस गयी थी। आगे क्या हुआ होगा?
3. इस कहानी के क्या–क्या नाम हो सकते हैं?
4. तुम चुटकी बजाकर क्या–क्या काम कर सकते हो?

पढ़िए

1. वाक्य पढ़िए और जानिए कि किसने किससे कहा?

    1. चुप होजा वरना अभी... ( )
    2. हिम्मत हो तो आ जाओ ( )
    3. धन्य हो मक्खी रानी धन्य हो! ( )
    4. अरे हाथी मुझे प्रणाम कर ( )

2. कहानी पढ़िए और उचित शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

    घमंडी.....डरपोक.....चतुर.....सबसे चतुर.....समझदार.....आलसी

लिखिए

1. शेर ने भोजन में क्या खाया होगा? तुम भोजन में क्या–क्या खाते हो?
2. शेर तो भोजन करके आराम कर रहा था। तुम खाना खाकर क्या करते हो?
3. शेर की जगह तुम होते तो क्या करते? अपने शब्दों में लिखो।

    सुबह.....

    दोपहर.....

    रात.....

© SCERT not to be republished

शब्द भंडार

रेखांकित शब्दों के विलोम लिखिए और उनके वाक्य बनाइए।

1. शेर को बहुत मुश्किल से नींद आयी थी।

.....

2. मैं हारा और तुम जीती।

.....

3. मक्खी ने धीरे से कहा।

.....

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ पाठ के आधार पर पात्रों का पात्राभिनय कक्षा में करो।

प्रशंसा

■ पाठ में घमंडी मक्खी के बारे में बताया गया है। घमंड न करने से क्या-क्या लाभ हैं?

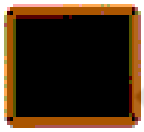

भाषा की बात

निम्न मुहावरों का अर्थ लिखिए।

1. आग बबूला होना
2. खबर लेना
3. चुटकी बजाना
4. शोभा न देना
5. मंद-मंद मुस्काना

© SCERT not to be republished

■ मकड़ी सबसे ज्यादा जाल मिलने वाले किस रास्ते जाएगी?

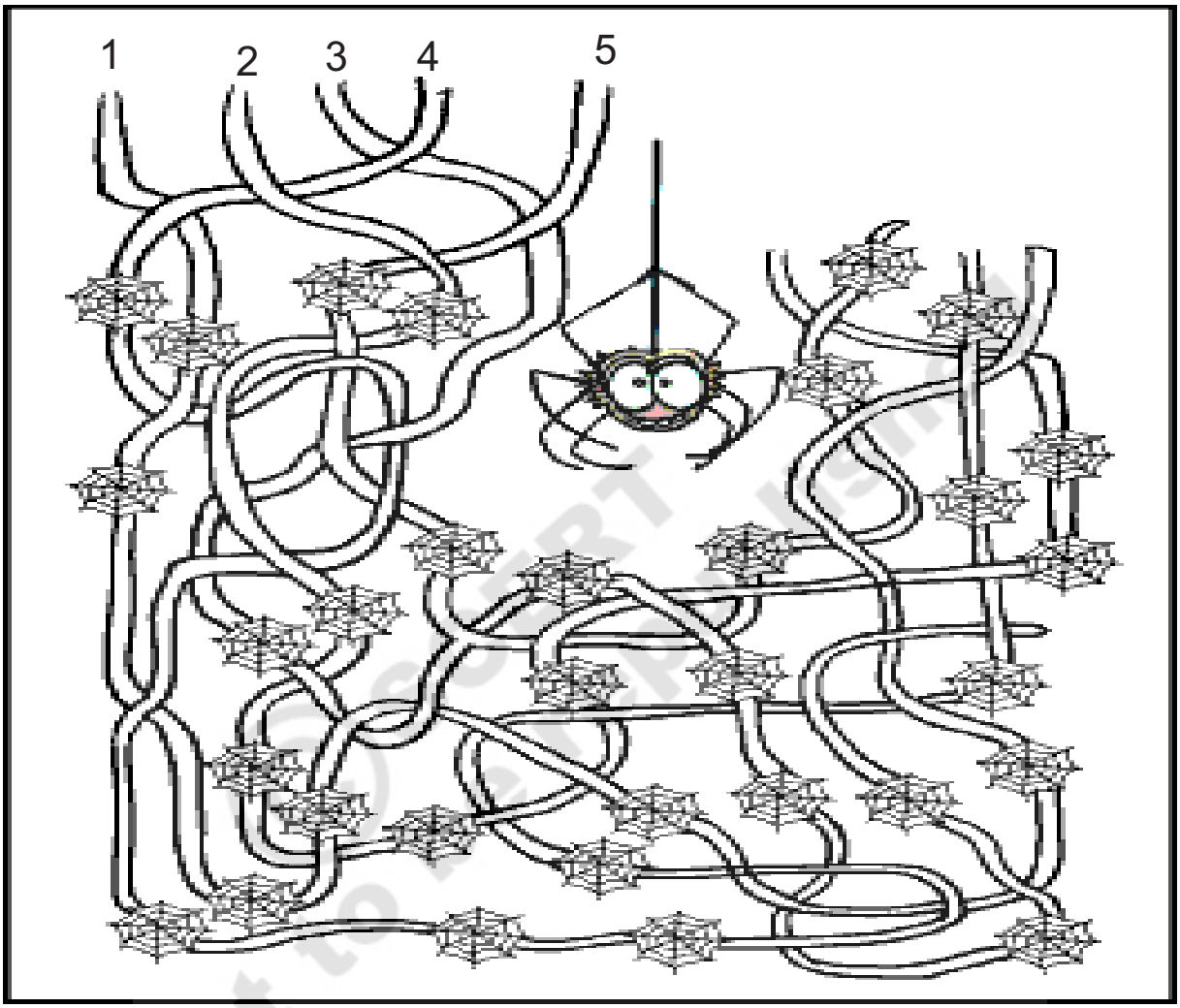

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. पाठ के आधार पर पात्राभिनय कर सकता हूँ।		

© NCERT not to be republished